कृषि विज्ञान केन्द्र
गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

फरवरी, 2025, अंक 10

सरसों में सूक्ष्म तत्व प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दिनांक 10 जनवरी 2025 को ग्राम मीतासर में सरसों में सूक्ष्म तत्व प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 22 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । तिलहनी फसलों में पौधों के विकास व उत्पादन हेतु सूक्ष्म पोषक तत्व (जिंक, लोहा, मैंगनीज, तांबा, बोरान, मोल्बिडेनम आदि) महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, इनके सही संतुलन से ही बेहतर उत्पादन, रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं उच्च गुणवता वाली फसल प्राप्त होती है । केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने उक्त पहलुओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण दौरान किसानों को सूक्ष्म पोषक तत्वों के विभिन्न उचित अवयवों के संतुलित मात्रा में प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षित किया गया । प्रशिक्षण उपरान्त कृषकों को सरसों फसल में उपयोग हेतु सूक्ष्म पोषक तत्व (बायोवीटा) के प्रदर्शन उपलब्ध करवाये गये ।

डी–वर्मिंग कैंप का आयोजन

दिनांक 17.1.25 को निकरा परियोजना के अन्तर्गत गांव मीतासर में पशुओं के डी–वर्मिंग कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 91 पशुपालकों ने भाग लिया । कैंप में 2715 भेड बकरियों व गाय–भैंस को आंतरिक व बाह्य परजिवियों की रोकथाम हेतु दवा पिलाई गई । साथ ही आंतरिक एवं बाह्य परजीवियों की रोकथाम तथा इनके पशुओं पर होने वाले कुप्रभावों के बारे में पशुपालकों को बताया गया । पशुपालन विशेषज्ञ श्री श्याम बिहारी ने पशुओं को ठंड से बचाने के बारे में भी जानकारी दी ।

स्वरोजगार हेतु बकरी पालन प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन कर स्वरोजगार सृजन हेतु 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 20 से 24 जनवरी 2025 तक कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में किया गया । कार्यक्रम में सरदारशहर व रतनगढ तहसील के 21 पशुपालकों ने भाग लिया जिसमें 10 पुरूष व 11 महिला पशुपालक शामिल हुई । प्रशिक्षण संयोजक पशुपालन विशेषज्ञ श्री श्याम बिहारी ने बकरियों की नस्ल, उनकी आवास व्यवस्था, पोषण व्यवस्था, बकरियों के बच्चों ग्याभिन बकरियों व प्रजनक बकरों के रख रखाव के बारे में जानकारी दी । साथ ही आंतरिक व बाह्य परजीवियों की रोकथाम व इनसे होने वाले नुकसान के बारे तथा बकरियों में होने वाले प्रमुख रोगों जैसेः फिडकिया, पॉक्स, निमोनिया, पी.पी.आर, दस्त आफरा के लक्षण व रोकथाम के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई । प्रशिक्षण अन्तर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने पशुपालकों को नेशनल लाइव स्टॉक मिशन योजना से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी दी ।

ऊंटपालक संगोष्टी का आयोजन

दिनांक 27.1.25 को कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा ऊंट उत्थान हेतु एक दिवसीय ऊंटपालक किसान गोष्ठी गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष श्रीमान् हिमांशु दूगड की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । कार्यक्रम के दौरान सरस डेयरी के प्लांट मैनेजर ने गांव के ऊंटपालकों से ऊंटनी के दूध को बिना ट्रांसपोर्ट चार्ज के चिलिंग प्लांट तक की व्यवस्था से अवगत कराया । डॉ. केशरीचंद नाई, वरिष्ठ पशु चिकित्सक ने ऊंटपालकों को ऊंटों के देशी ईलाज व होने वाली बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी । इस गोष्ठी में 16 गांव के 48 ऊंटपालक शामिल हुए व ऊंट उत्थान के लिए सभी ने अपने–अपने विचार सांझा किये ।

निकरा अन्तर्गत आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता

ICAR-CRIDA हैदराबाद में इंडियन सोसायटी ऑफ ड्राईलेंड एग्रीकल्चर द्वारा आयोजित ''वर्षा आधारित कृषि'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिनांक 29 जनवरी से 31 जनवरी 2025 के दौरान केन्द्र के बागवानी विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत तथा वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता श्री रमेश चौधरी द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया । सम्मेलन के अन्तर्गत गतिविधियों के आयोजन दौरान **ICAR-ATARI** जोधपुर जोन–**II** के तत्वावधान में केन्द्र द्वारा चूरू जिले के लिए उपयुक्त नवीनतम कृषि पद्वतियों और जलवायु अनुकूल किस्मों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा सर्वश्रेष्ट प्रदर्शनी का पुरस्कार भी प्राप्त किया । सम्मेलन गतिविधियों में तकनीकी जानकारी हेतु केन्द्र के प्रतिनिधियों द्वारा देश–विदेश से आये वैज्ञानिकों से विचार विमर्श कर बारानी क्षैत्रों में किये जा रहे नवाचारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई ।

किशोर बालिकाओं एवं धात्री माताओं हेतु उच्च प्रोटीन आहार प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा दिनांक 30.1.2025 को ग्राम देवीपुरा में किशोर बालिकाओं एवं धात्री माताओं हेतु उच्च प्रोटीन युक्त आहार निर्माण विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण संयोजक डॉ. रमन जोधा ने प्रोटीन की पोषण में उपयोगिता, दालों एवं साबुत अनाज से बने विभिन्न व्यंजनों की जानकारी दी तथा प्रत्येक घर में पोषाहार वाटिका में हरी पत्तेदार सब्जियों एवं फलों को लगाने हेतु प्रेरित किया । इस दौरान विधि प्रदर्शन द्वारा अंकुरित दालों से बने व्यंजनों को बनाकर सिखाया गया ।

सरसों में पाला प्रबंधन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा दिनांक 30.1.2025 को ग्राम देवीपुरा में पाला प्रबंधन तकनीक विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 29 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के फसल उत्पादन विषय वस्तु

विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने सरसों की फसल में पाले से होने वाले नुकसान व पाले के प्रबंधन हेतु प्रशिक्षित किया गया । पाले से बचाने हेतु किसानों को खेतों के उत्तर पश्चिम दिशा में सांय 8.00 बजे से प्रातः काल तक बेकार पडे गोबर एवं पुआल इत्यादि जलाकर धुंआ करने हेतु बताया गया तथा 10 से 15 दिनों के अंतराल में फसलों में सिंचाई करने हेतु परामर्श दिया गया । 0.10 प्रतिशत गंधक के तेजाब (1 ली.गंधक के अम्ल को 1000 लीटर पानी में घोलकर) का प्रति हैक्टेयर में छिडकाव करने हेतु सिफारिश की तथा किसानों के साथ समूह चर्चा के दौरान फसलों में शाम के समय हल्की सिंचाई करने हेतु पाला तकनीकियों को अपनाने पर बल दिया ।

वृक्षजनित तिलहन उत्पादन की तकनीक पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर तथा कृषि विभाग, चूरू के समन्वय से NFSM योजनान्तर्गत दिनांक 31 जनवरी से 01 फरवरी 2025 को ''वृक्ष जनित तिलहन फसलों की उत्पादन'' तकनीक विषय पर दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द के सभागार में सम्पन्न हुआ जिसके अन्तर्गत रतनगढ व सरदारशहर तहसील के 30 कृषकों ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के विभिन्न विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा चूरू जिले की परिस्थितियों के अनुरूप वृक्षजनित तिलहनी फसलों की खारे पानी में अच्छा उत्पादन देने वाली किस्मों के चयन, खरपतवार प्रबंधन, खाद व उर्वरक प्रबंधन, मुख्य पोषक तत्वों के साथ–साथ तिलहन में गंधक व जिप्सम के प्रयोग, एकीकृत कीट प्रबंधन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी । प्रशिक्षण उपरान्त सभी प्रशिक्षणार्थियों को केन्द्र के फसल संग्रहालय तथा विभिन्न इकाईयों का भ्रमण करवाया गया । साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को वृक्षजनित तिलहन फसलों के उत्पादन बढाने हेतु अन्य किसानों को जागरूक करने हेतु प्रेरित किया गया ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I